12. विचार-समिति प्रविधि (Symposium Technique)—प्लेटो ने एक सुन्दर आदान-प्रदान (Dialogue) को सिम्पोजियम से सम्बोधित किया था। इसका शाब्दिक अर्थ वह सभा है जिसमें बौद्धिक मनोरंजन किया जाता है। आधुनिक अर्थ में यह वह सभा है

Scanned by CamScanner

जिसमें एक प्रकरण पर वक्तागण अपने विचार प्रस्तुत करते हैं। इसमें प्रकरण सम्बन्धी विचारों को क्रम में प्रस्तुत किया जाता है।

विचार-समिति प्रविधि की प्रक्रिया (Procedure of Symposium)—इसमें व्यवस्थापक विचार-समिति के आयोजन, प्रकरण या समस्या का निर्धारण करता है। साथ ही वह वक्ताओं को आमन्त्रित करता है। वक्तागण समस्या के विभिन्न पक्षों पर अपने प्रपत्र तैयार करते हैं। प्रत्येक वक्ता के लिए समय निर्धारित कर दिया जाता है। व्यवस्थापक विचार-समिति की कार्यवाही के संचालन के लिए अध्यक्ष या संचालक का चयन करता है। अध्यक्ष वक्ताओं को क्रम से प्रस्तुतीकरण के लिए आमन्त्रित करता है। प्रस्तुतीकरण के तुरन्त बाद श्रोतागणों को प्रश्न करने या वाद-विवाद करने का अवसर नहीं दिया जाता है। विचार-समिति में प्रत्यक्ष रूप से पारस्परिक क्रिया (Interaction) का अवसर नहीं दिया जाता है। वक्तागण अपने प्रपत्र या भाषण के द्वारा पूर्ववक्ता के विचारों की पुष्टि या आलोचना करता है। प्रत्येक वक्ता के प्रस्तुतीकरण के अन्त में अध्यक्ष उसकी समीक्षा करता है। सभी वक्ताओं के प्रस्तुतीकरण के बाद अध्यक्ष एक समीक्षा प्रस्तुत करता है। साथ ही लिखित रूप में भी आख्या प्रस्तुत की जाती है। इसमें श्रोताओं का अन्तःक्रिया (Interaction) के लिए अवसर नहीं दिया जाता है।

इसके प्रयोग से समायोजन तथा सहयोग की भावनाओं का विकास सम्भव है। साथ ही उसके उपयोग से मूल्यांकन तथा संश्लेषण की क्षमताओं का विकास होता है। यह उच्च कक्षाओं में विशिष्ट प्रकरणों तथा समस्याओं के सम्बन्ध में व्यापक जानकारी प्रदान करने में सहायक है।

Scanned by CamScanner